Course for Class – 3RD [2020-21]

Annual Exam

ENGLISH		HINDI		
Sub-Teacher : Ms. Neetu		Sub-Teacher : Ms. Sushma Garg		
SEMESTER-1 [Crystal]*		**Book – PALAK**		**GRAMMAR**
1	The King and the bees	1	आया भारत	भाषा और लिपि
2	Cat Sleep Anywhere	2	लोहे का तराजू	वर्ण और वर्णमाला
3	When Rusty played Holi	3	हिमालय	शब्द एंव वाक्य
4	The Centipede Song	4	वर्षा	संज्ञा
5	The Cleverest Man in the world	5	पौधो में जीवन	विलोम शब्द
6	Face to face (Poem)	8	जयपुर की यात्रा	विलोम शब्द
SEMESTER-2 [Crystal]*		12	दीप जलाओ	पर्यायवाची
1	Three Friends	14	श्रवन कुमार	मुहावरे
2	When I Grow Up	16	प्रदूषण	अनेक शब्दो के लिए एक शब्द
3	Akber Meets Birbal			लिंग
7	The Pear Seed			वचन
8	Laughing Song (Poem)			सर्वनाम
GRAMMAR [P C Wren's]				विशेषण
1	Sentence			क्रिया
2	Noun			काल
3	Noun : Types			विराम चिन्ह
4	Noun : Countable and Uncountable	**SST :** Sub-Teacher : Ms. Garima		
5	Noun : Singular and Plural	**SEMESTER-1 [Crystal]***		
6	Noun : Gender	1	The Earth - Our Home	
7	Possesive Nouns (S)	2	Globes and Maps	
8	Adjective	3	Our Solar System	
9	Degree of Comparison	4	Our Government	
10	A, An, The	5	Our Beautiful Country :India	
11	Pronouns	6	The Rivers and Climate	
12	Verbs	7	The States Of India	
18	Adverbs	**SEMESTER-2 [Crystal]***		
19	Preposition	6	The Story of Farming	
20	Conjunction	7	The Story of Wheel	
21	Interjection	8	Communication and Transformation	
MATH Sub-Teacher : Ms. Kavita [Ms. Rekha]		**SCIENCE** Sub-Teacher : Ms. Megha		
SEMESTER-1 [Crystal]*		**SEMESTER-1 [Crystal]***		
1	Revision	1	Living and Non living Things	
2	Numbers Upto 10,000	2	Animals :Food and More	
3	Addition	3	Parts of a Plant	
4	Subtraction	4	Food and Feeding habits of Animals	
5	Multiplication	6	Human Body	
6	Division	**SEMESTER-2 [Crystal]***		
SEMESTER-2 [Crystal]*		3	Space World	
1	Fraction	5	Our Environment	
4	Measurement			
5	Geometry and Pattern			

NOTE: In English, Math, EVS, student has to submit in school the Practice book after completing these following chapters for assessment.

PTO

दैनिक भास्कर

जयपुर 21-11-2020

फैसला • बच्चों ने घर पर पढ़ाई के प्रति लापरवाही बरती तो हो सकता है नुकसान

किसी भी कक्षा में जीरो सेशन से इनकार, बिना परीक्षा अगली कक्षा में प्रवेश नहीं

भास्कर न्यूज | जयपुर

कोरोनाकाल में स्कूल नहीं खुलने से बच्चों पर पढ़ाई को लेकर दबाव बढ़ रहा है। सरकार ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि इस साल सभी कक्षाओं की परीक्षाएं होंगी। बिना परीक्षा किसी को प्रमोट नहीं किया जाएगा। शिक्षा विभाग के निर्णय के बाद अब अभिभावकों की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है। वे भी अपने बच्चों की पढ़ाई का ध्यान रखें। शिक्षा विभाग के इस निर्णय से लगता है कि इस साल जीरो सेशन होने की संभावना नहीं है। शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों आदेश जारी कर कहा था कि कक्षा 1 से 9 तक और 11वीं के विद्यार्थियों को बिना परीक्षा क्रमोन्नत नहीं किया जाएगा। इन कक्षाओं के अलावा दसवीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा होगी। यानी पहली से बारहवीं तक सभी कक्षाओं की इस सत्र में परीक्षा होगी। शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए तो आओ घर में सीखें अभियान भी शुरू कर दिया है। जिसमें बच्चों को स्पष्ट निर्देश है कि उन्हें विभाग की ओर से भेजे जाने वाले वीडियो को देखना होगा। साथ ही वीडियो के आधार पर तैयार कार्यपुस्तिकाओं को भी स्कूल से प्राप्त कर उन्हें पूर्ण कर अपने अध्यापक को जमा कराएं।

कक्षा 1 से 9 व 11वीं के स्टूडेंट्स बिना परीक्षा के नहीं होंगे प्रमोट

कोविड-19 के संक्रमण के बढ़ते प्रभाव के बीच विद्यार्थियों के अध्ययन को निरंतन बनाए रखने के लिए शिक्षा विभाग ने नई पहल की है। उनको लिए आओ घर में सीखें अभियान शुरू किया गया है, ताकि बच्चे घर बैठे पढ़ाई सुचारू रख सके। विद्यार्थियों की परीक्षा ली जाएगी। कक्षा 1 से 9 और 11वीं के विद्यार्थियों को बिना परीक्षा प्रमोट नहीं किया जाएगा।

-गोविंद सिंह डोटासरा, शिक्षामंत्री

मूल्यांकन जरुरी, तभी बच्चे पढ़ाई के प्रति रह पाएंगे गंभीर

विद्यार्थियों को अगर परीक्षा की चिंता नहीं रहेगी तो वे परीक्षा के प्रति गंभीर नहीं रह पाएंगे। इसलिए परीक्षा बेहद जरुरी है। शिक्षा विभाग का परीक्षा लेने और बिना परीक्षा प्रमोट नहीं करने का निर्णय सराहनीय है। अभिभावकों की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है कि वे घर पर बच्चों की पढ़ाई का पूरा ध्यान रखे। उन्हें पढ़ाई के लिए पर्याप्त संसाधन, किताबें, स्टेशनरी उपलब्ध कराएं।

-विजय उपाध्याय, रिटायर्ड व्याख्याता

1.10 लाख स्कूलों के 1.50 करोड़ विद्यार्थियों पर पड़ेगा असर

सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के 65 हजार सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 80 लाख विद्यार्थियों और शिविरा पंचांग के अनुसार संचालित व राजस्थान बोर्ड से संबद्धता प्राप्त 45 हजार निजी स्कूलों के करीब 70 लाख विद्यार्थी प्रभावित होंगे। इन विद्यार्थियों को परीक्षा देनी होगी और चालू सत्र में बिना परीक्षा प्रमोट नहीं हो सकेंगे।

PTO

स्कूली बच्चों को देनी होगी परीक्षा, नहीं होंगे प्रमोट

Zone Samachar

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर।

कोरोना के कारण प्रदेशभर के सभी स्कूले बंद हैं, लेकिन बच्चों को अपने घर पर नियमित रूप से पढ़ाई करनी होगी, तभी वे आगामी कक्षा में जा पाएंगे। वरना वह उसी कक्षा में रह जाएंगे। राज्य सरकार ने इस सत्र में स्कूली बच्चों की परीक्षा लेने का निर्णय लिया है। जबकि पिछले साल बच्चों को प्रमोट किया था और दसवीं व 12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों की ही परीक्षा ली थी। दरअसल, कोरोना के कारण देशभर में सभी स्कूलों को 20 मार्च-2020 बंद कर दिया था और ऑनलाइन क्लासेस के जरिए उन्हें पढ़ाया जा रहा था। शिक्षा विभाग ने पढ़ाई को लेकर अपना फैसला सुना दिया है। इस साल सभी कक्षाओं की परीक्षा होगी और उन्हें बिना परीक्षा प्रमोट नहीं किया जाएगा। ऐसे में यह शैक्षणिक सत्र जीरो नहीं रहेगा और स्कूले खुलने की पूरी संभावना है। -यह होंगे प्रभावित सरकार के इस फैसले से प्रदेश के 65 हजार सरकारी स्कूलों के करीब 80 लाख विद्यार्थी और राजस्थान बोर्ड से संबद्धता प्राप्त 50 हजार स्कूलों के करीब 70 लाख विद्यार्थी प्रभावित होंगे। इन विद्यार्थियों का परीक्षा देना लाजमी है और चालू सत्र में उन्हें बिना परीक्षा प्रमोट भी नहीं किया जाएगा। -इसलिए किया ऐसा राज्य सरकार ने ऐसा इसलिए किया कि पिछले साल तो पढ़ाई पूरे साल हुई थी। इसके बाद परीक्षा के समय फरवरी के अंत में और मार्च माह में कोरोना शुरू हो गई। ऐसे में सरकार ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के अलावा अन्य कक्षा के विद्यार्थियों को प्रमोट कर दिया था, लेकिन इस बार पूरे साल बच्चों की पढ़ाई नियमित रूप से स्कूलों में नहीं हो पा रही है तो सरकार की कवायद है कि बच्चे घर पर पढ़े, जिससे की बच्चों की पढ़ाई का नुकसान नहीं हो और जब शिक्षा विभाग की ओर से इन बच्चों की परीक्षा ली जाए तो वह उनमें अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। यदि इस बार भी बच्चों को प्रमोट कर दिया जाएगा तो उनकी नींव कमजोर रह जाएगी। इसके चलते सरकार ने फैसला लिया है, कि परीक्षा में पास होने के बाद ही बच्चे को आगामी कक्षा में प्रवेश मिलेगा।

इनका कहना है

'प्रदेशभर के सभी स्कूली बच्चों की इस सत्र में परीक्षा ली जाएगी। पिछले साल की तरह इस बार बच्चों को प्रमोट नहीं किया जाएगा। सरकार बच्चों को ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई करवा रही है, जिससे की पढ़ाई का नुकसान नहीं हो।' -गोविन्द सिंह डोटासरा, शिक्षा राज्यमंत्री, राजस्थान सरकार 'चालू शैक्षणिक सत्र 2020-21 में कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों के एग्जाम लिए जाएंगे और किसी भी बच्चे को बिना परीक्षा के प्रमोट नहीं किया जाएगा।'

सौरभ स्वामी, निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान